Title: Regarding the increasing threat to the safety of women in Delhi and other parts of the country.

SHRIMATI JAYAPRADA (RAMPUR): Sir, I thank you for giving the opportunity.

अध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान महिला वर्ग की सुरक्षा पर आए संकट की तरफ दिलाना चाहती हूं। किताबों में लिखा है और हम बड़े लोगों से भी सुनते हैं --

कार्याशुदासी, कर्णेशु मंत्री

रूपेशु रम्भा गृहणेशु लक्ष्मी।

महिलाओं की इज्जत सिर्फ किताबों तक सीमित है। मैं आज इस सदन में महिलाओं की सुरक्षा के बारे में कहना चाहती हूं कि यह बहुत चिन्ता की बात है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी महिलाओं की सुरक्षा के बारे में बताया जाता है, खास तौर पर दिल्ली जैसे महानगर में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं है, यह बहुत ही दुख की बात है। आज लोग महिलाओं की सुरक्षा की बात करते हैं और उनके लिए कानून बनाते हैं। महिलाओं को पुरुषों के बराबर माना जाता है, लेकिन आज भी महिलाओं की स्थिति बहुत खराब है। इसमें कानून की भूमिका बहुत अहम है। जो सरकार बनती है, उस सरकार का प्रथम कर्त्तव्य महिलाओं को सुरक्षा दिलाने का बनता है।

मैं यह भी याद दिलाना चाहती हूं कि - There is a Constitutional provision. The Constitutional pledge says that every human being should be granted equality, security, justice and opportunity. अगर आज महिलाओं की स्थिति देखें, तो हम महिलाओं को रोजगार देने के बारे में सोच रहे हैं, उनको शिक्षा देने के बारे में सोच रहे हैं। सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, अन्य प्रदेशों में भी महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। पिछली बार मैनपुरी में जो घटना हुई, अगर आप रिटायर्ड जज श्री उपेन्द्र की रिपोर्ट देखेंगे, तो उसमें भी पैरा-मिलिट्री फोर्सेज को क्रिटिसाइज किया गया है। हमने उस बारे में सदन में भी डिसक्शन किया था। अगर आप डाटा देखें, दिल्ली की जो पुलिस व्यवस्था है, जितनी ज्यादा सरकारी तंत्र की सुरक्षा व्यवस्था है, उसमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए उतनी ही कम व्यवस्था है। अगर आप पिछला रिकार्ड देखें, तो दिल्ली में 561 बलात्कार हुए थे, जिनमें सिर्फ 80 लोगों को ही दोषी साबित किया गया। सन् 2002 में दिल्ली में 422, मुम्बई में 150, कोलकाता में 70 और चेन्नई में 40 बलात्कार हुए। इस प्रकार महिलाओं के बलात्कार के डाटा के बारे में जिक्र करना बहुत ही गंभीर स्थिति है।

अभी शांति मुकुंद अस्पताल में जो लड़की नर्स की हैसियत से काम कर रही थी, उसके साथ बलात्कार हुआ। वह जब राजी नहीं हुई तो उसकी आंख फोड़ दी गयी। उसे वह बाथरूम तक खींचकर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया, उस पर अत्याचार किया। जब उसे सजा होने लगी तो वह शादी करने के लिए राजी हो गया। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He has been punished.

श्रीमती जयाप्रदा : यह ठीक है कि उसे पनिशमैंट मिली है, लेकिन इतने वर्षों से इस प्रकार की जो घटनाएं हो रही हैं, अगर सरकार और प्रशासन इससे ज्यादा सख्त कदम उठाये तो कोई भी व्यक्ति महिलाओं को बुरी नजर से देखने की जुर्रत नहीं करेगा। मैं कहना चाहती हूं कि दिल्ली भारत की राजधानी है। इस देश को सुचारू रूप से चलाने की हम काफी कोशिश करते हैं।

अगर आप 'हिन्दुस्तान टाइम्स' अखबार पर ध्यान देंगे तो उसमें एक कैप्शन दिया गया है कि लोगों ने दिल्ली को बलात्कारी राजधानी कहना शुरू कर दिया है। दिल्ली की मुख्य मंत्री एक महिला हैं। महिला होने के नाते वे महिलाओं के दुख-दर्द को समझती हैं। इसके अलावा यूपीए सरकार की अध्यक्षा भी महिला हैं। जब महिलाओं के राज्य में ही उनकी स्थिति इतनी गंभीर है तो वे कहां जायेंगी ? मैं सरकार और मंत्री जी से अपील करना चाहती हूं कि महिलाओं की सुरक्षा के बारे में विचार करके आप कोई आश्वासन दें । महिलाओं को ज्यूडिशियल रिफार्म करके सुरक्षा दिलाई जाये । इसके साथ-साथ एडमिनिस्ट्रेटिव लैवल में भी रिफार्म होना बहुत जरूरी है।

MR. SPEAKER: Thank you for raising this issue. I compliment you.

Shrimati Preneet Kaur.